हिंदी भवन संदेश

NEWSLETTER

(हिंदी प्रचारिणी सभा का सूचना-पत्र)

हिंदी भवन – लोंग माउंटेन

Website: hindipracharinisabha.com --- Email: hindipracharinisabha@hotmail.com

वर्ष 6 | अंक 14 | जनवरी 2015

–भाषा गई तो संस्कृति गई –

संपादक / टंकन / सज्जा : यन्तुदेव बुधु

सम्पादकीय

सायंकालीन तथा सप्ताहान्त का हिंदी शिक्षण !

हिंदी भाषा के पठन-पाठन की स्थिति बैठकाओं में क्या है ? आज के शिक्षक इस बात से अनभिज्ञ नहीं हैं । फिर भी बैठकाओं द्वारा हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार कार्य जारी है ।

क्या बैठकाओं के सभी शिक्षक प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं में शिक्षण हेतु प्रशिक्षित हैं, अनुभवी हैं, योग्य हैं, मेहनती हैं, अपना काम लगन से कर रहे हैं, बच्चों के हित के लिए काम कर रहे हैं, पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ा रहे हैं ? यह एक बहुत बड़ा प्रश्न है ? इसका उत्तर प्रवेशिका परीक्षा के अंकन-कार्य के दौरान पता चल जाता है ।

प्रवेशिका कक्षा के लिए दो प्रश्न पत्र निर्धारित हैं । सफलता प्राप्त करने के लिए दोनों प्रश्नपत्रों में सफल होना अनिवार्य होता है । एक प्रश्न पत्र में व्याकरण कार्य होता है तथा दूसरे में कविता व कहानी का सारांश, तथा संस्कृत आदि पर प्रश्न आते हैं । नतीजा क्या होता है, बच्चे व्याकरण कार्य जो कि प्राथमिक कक्षा से करते आ रहे हैं, उसमें अच्छे अंक कमा लेते हैं । पर दूसरे प्रश्नपत्र में काफी छात्र फँस जाते हैं । कभी पाँच, दस या पन्द्रह अंक ही ला पाते हैं । क्या परीक्षा से पूर्व प्रश्नपत्र के आधार पर काम नहीं होता है ? इससे साफ दिखता है कि शिक्षक निर्धारित पुस्तकों का बहुत कम उपयोग करते हैं या तो बिल्कुल नहीं । यह जानकर बहुत दुख होता है कि कई संस्थाओं में केवल नाम-मात्र के लिए ही हिंदी की पढ़ाई हो रही है ।

हिंदी प्रचारिणी सभा हर वर्ष अप्रशिक्षित शिक्षकों के लिए अपने खर्च पर कार्यशालाओं का आयोजन करती है । पर दुर्भाग्यवश सभी शिक्षक शामिल नहीं हो पाते हैं । इसका क्या कारण हो सकता है ? वे ही जाने ! हम सभा की ओर से निवेदन करते हैं कि आप इसपर विचार कीजिए, तथा अपनी संस्थाओं के शिक्षकों को हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा आयोजित कार्यशाला में भेजने की कृपा करें । ■

यन्तुदेव बुधु

प्रधान-हिंदी प्रचारिणी सभा

इस अंक में पढ़िए :

– प्रवेशिका परीक्षा 2014	पृ –2
– आधारशिला संस्था	पृ –2
– इतिहास के पन्नों से	पृ –2
– समावर्तन समारोह 2014	पृ –3
– सम्मेलन की परीक्षाएँ	पृ –3
– हिंदी प्रचारिणी में उपलब्ध पुस्तकें	पृ –3
– चित्रावली	पृ –4

वर्तमान हिंदी प्रचारिणी सभा-भवन का चित्र ।

भवन के सामने सभा के मुख्य दाता श्री रामदास रामलखन (गिरधारी भगत) की प्रतिमा देख सकते हैं ।

– विशेष सूचना –

छात्रों तथा शिक्षकों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2015 से प्रवेशिका से उत्तमा तृतीय खण्ड तक का पाठ्यक्रम बदल रहा है । सभी कक्षाओं का पाठ्यक्रम अब सभा की वेब साइट पर भी उपलब्ध है । ■

"भाषा वही श्रेष्ठ है, जिसको जनसमूह सहज में समझ ले ।"

– मोहनदास करमचन्द गाँधी

प्रवेशिका परीक्षा वर्ष 2014

वर्ष 2014 की प्रवेशिका परीक्षा शनिवार 15 नवम्बर को देश के कई केन्द्र में हुई । इस परीक्षा के लिए 1122 छात्रों ने आवेदन प्रपत्र भरा था जिनमें 59 छात्र अनुपस्थित रहे । इस वर्ष की सफलता की दर 77 प्रतिशत रही । प्रथम दस में आने वालों के नाम इस प्रकार है :–

1. मधु गुणशाली
1. सौतचर्ण अभिषेक
3. मोती कौशिक कुमार
4. जिआलाल संदीप
5. सिगुलाम लक्षणा
5. भरोसा केशमी
7. नन्का सृष्टि
8. घरभरन लवीणा
9. लछमी शिवनिता
9. मोतबर कीर्तिदा राधा

श्रीमती राजलक्ष्मी रोशनी पुरस्कार प्रदान करते हुए ।

प्रथम दस में स्थान प्राप्त करने वालों में दो प्रथम स्थान पर, दो पाँचवें स्थान और दो नौवें स्थान पर हैं। इन छात्र–छात्राओं ने समावर्तन समारोह के अवसर पर अपने पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र प्राप्त किए ।

आधारशिला संस्था नैनिताल, भारत के विद्वान मॉरीशस में ।

आधारशिला संस्था से आए साहित्यकार सभा के प्रधान को पुस्तकें भेंट करते हुए ।

आधारशिला संस्था के निदेशक श्री दिवाकर भट्ट के साथ 25 साहित्यकार मॉरीशस पधारे । वे देश–विदेश घूमकर हिंदी सम्मेलन करते हैं । इसी उपलक्ष्य पर वे हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रांगन में पिछले 4 अक्टूबर को पहुँचे । उनकी टोली में भारत के कई प्रांतों के विद्वान शामिल थे । हिंदी भवन में शाम के पाँच बजे उनका स्वागत किया गया । सभा के प्रधान ने उनकी हिंदी–यात्रा की सफलता की कामना की । हिंदी भवन के सभागार में सभा के सदस्यों, शिक्षकों के साथ–साथ कई हिंदी प्रेमी भी उपस्थित थे ।

विदेशियों के साथ–साथ हमारे लोगों ने भी हिंदी भाषा को लेकर अपना–अपना अनुभव बाँटा । तो कुछ लोगों ने अपनी स्वरचित कविताएँ भी सुनाईं । अंत में श्री दिवाकर भट्ट ने विश्व में हिंदी भाषा शिक्षण तथा प्रचार पर अपना विचार दिया । दिवाकर भट्ट जी ने अपनी संस्था द्वारा प्रकाशित आधारशिला पत्रिका की कुछ प्रतियाँ सभा को भेंट कीं, तथा अन्य साहित्यकारों ने भी अपनी–अपनी पुस्तकें दान कीं । ■

श्री दिवाकर भट्ट

इतिहास के पन्नों से .....

सन् 1950–1955 की कार्यकारिणी समिति के सदस्य ।

बायें से – सर्वश्री जयरूद्र दोसिया, सुरुजप्रसाद मंगर भगत, प्रेमचन्द ओरी, अनिरूद द्वारका, सुरुजप्रसाद शम्भु, रामसामी तुलसिया, डॉ. लक्ष्मीप्रसाद रामयाद, रामलाल मंगर भगत, जयनारायण राँय, रामदास रामलखन(गिरधारी भगत), उमाशंकर गिरजानन्द, श्रीनिवास जगदत्त ।

हिंदी प्रचारिणी सभा के बारह कर्मठ सदस्यों के चित्र आप देख सकते हैं। ये महानुभाव वर्ष 1950 से 1955 तक सभा की कार्यकारिणी समिति के सदस्य रहे और पूरी निष्ठा के साथ हिंदी भाषा का प्रचार करते रहे । इनमें सभा के मुख्य दाता श्री रामदास रामलखन के चित्र भी देखे जा सकते हैं (*चित्र में इनकी लम्बी दाढ़ी, धोती धारण किए तथा सिर पर पगड़ी बाँधे हुए हैं*) । इनकी प्रतिमा आज हिंदी प्रचारिणी सभा–भवन के सामने स्थित हैं ।

उस समय के प्रधान, मंत्री तथा कोषाध्यक्ष पद पर ये महानुभाव थे । 1950 में श्री श्रीनिवास जगदत्त, 1951 में पं उमाशंकर गिर–जानन्द तथा 1952 से 1977 तक श्री जयनारायण राँय प्रधान रहे । इनमें प्रधान के पद पर 25 वर्षों तक श्री जयनारायण राँय रहे । 1950 से 1955 तक मंत्री का पद श्री सुरुजप्रसाद मंगर भगत संभाल रहे थे तथा कोषाध्यक्ष श्री अनिरूद द्वारका थे ।

ये हिंदी सेवी एक–से–बढ़कर एक विद्वान थे । श्री जयनारायण राँय लेबर अफिसर थे; जयरूद्र दोसिया, सुरुजप्रसाद मंगर भगत तथा रामसामी तुलसिया हिंदी सिन्यर टिचर थे; अनिरूद द्वारका स्कूल निरीक्षक थे; डॉ. लक्ष्मीप्रसाद रामयाद शिक्षा अधिकारी और उमाशंकर गिरजानन्द ओरियेन्टल प्रोग्राम ओरगानाइज़र थे । श्रीनिवास जगदत्त सानितेरी इंस्पेक्टर थे तथा सुरुजप्रसाद मंगर भगत, रामलाल मंगर भगत और रामदास रामलखन(गिरधारी भगत) ज़मीन्दार के साथ–साथ हिंदी के विद्वान थे ।

इन महानुभावों ने हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए जी–जान से मेहनत की । इन्होंने तन–मन–धन से हिंदी भाषा की सेवा की । श्री रामदास रामलखन ने तो हिंदी भाषा के नाम पर अपनी सारी सम्पत्ति सभा को दान कर दी । ■

समावर्तन समारोह 2014

बायें से : श्री गंगाधर सुखलाल, श्रीमती राजलक्ष्मी रोशनी, श्री सत्यदेव प्रीतम, भारतीय उच्चायोग के द्वितीय सचिव श्री पंकज जिंडल तथा सभा के प्रधान श्री यंतुदेव बुधु ।

"हिंदी प्रचारिणी सभा सम्मान" से विभूषित श्रीमती डॉ. लक्ष्मी झमन अपना 'सम्मान पट' लिए हुए ।

वर्ष 2014 का 79 वाँ समावर्तन समारोह शनिवार 6 दिसम्बर को हिंदी भवन के सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में भव्य रूप से मनाया गया । उत्सव की मुख्य अतिथि श्रीमती राजलक्ष्मी रोशनी रहीं तथा विशेष अतिथि भारतीय उच्चायुक्त के द्वितीय सचिव श्री पंकज जिंडल थे । विश्व हिंदी सचिवालय के कार्यवाहक महासचिव श्री गंगाधर सुखलाल तथा मानव सेवा निधि के प्रधान सूर्यदेव बिसेसर भी उत्सव की शोभा बढ़ा रहे थे । उपस्थित मेहमानों में भोजपुरी संगठन की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती सरिता बुधु, वरिष्ठ साहित्यकार श्री रामदेव धुरंधर, डॉ. अंचराज, डॉ. अंजली चिंतामणि, सभा के सदस्य, हिंदी भवन विद्यालय के शिक्षक, हिंदी प्रेमी, अभिवावक तथा छात्र रहे ।

समावर्तन समारोह के अवसर पर छठी कक्षा तथा प्रवेशिका परीक्षा में प्रथम दस में स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण किये गये । छात्रों के प्रोत्साहन के लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों को नकद राशि भी दी जाती है । छठी कक्षा के लिए श्रीमती सीता रामयाद पारितोषिक 1000 रुपये तथा प्रवेशिका के लिए पारितोषिक 1200 रुपये दिए गए । उसी अवसर पर हर वर्ष की भाँति हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए श्री सत्यदेव प्रीतम तथा डॉ. श्रीमती लक्ष्मी झमन को 'हिंदी प्रचारिणी सभा सम्मान' से विभूषित किया गया ।

कार्यक्रम का आरम्भ हिंदी भवन-विद्यालय के छात्रों द्वारा एक सरस्वती वन्दना से हुआ । अपने स्वागत भाषण में सभा के प्रधान ने हिंदी भाषा के पठन-पाठन पर ज़ोर देते हुए अभिवावकों का ध्यान आकृष्ट किया । उन्होंने यह बताया कि भाषा को पढ़ने से हमें अपने धर्म-संस्कृति की अच्छी पहचान भी हो सकती है । प्रधान जी ने अपने वक्तव्य से छात्रों का हौसला बढ़ाया । विश्व हिंदी सचिवालय के कार्यवाहक महासचिव श्री गंगाधर सुखलाल ने भी हिंदी भाषा के महत्त्व पर बात की । उन्होंने यह भी बताया कि सचिवालय से वे 20,000 रुपये हिंदी प्रचारिणी सभा को हिंदी दिवस के आयोजन के लिए दिलवाने की बात की । भारतीय उच्चायुक्त के द्वितीय सचिव श्री पंकज जिंडल ने हिंदी भाषा की सरलता तथा वैज्ञानिकता पर अच्छा वक्तव्य दिया ।

उत्सव की अध्यक्षा श्रीमती राजलक्ष्मी रोशनी ने सभागार में उपस्थित छात्रों को सम्बोधित करते हुए हिंदी भाषा को लेकर अपना अनुभव बाँटा तथा हिंदी की परीक्षा से संबंधित अपने बचपन की एक घटना भी सुनाई । उपस्थित हिंदी प्रेमी उन्हें बड़े ध्यान से सुन रहे थे । उनके भाषण रोचक एवं दिलचस्प रहे । सभा की सदस्या श्रीमती रोहिनी रामरूप ने सभा को हिंदी भाषा की सेवा हेतु 15,000 रुपये दान दिए । सभा के प्रधान ने उन्हें आभार प्रकट करते हुए बताया कि आज भी हिंदी भाषा के सेवक हैं । उन्होंने यह भी बताया कि यह रकम अगले वर्ष से प्राथमिक पाठशाला के लिए श्रुतिलेख प्रतियोगिता के लिए उनके नाम से ही प्रयुक्त किया जाएगा ।

कार्यक्रम के अन्त में छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण किए गए । डेढ़ घंटे का यह उत्सव बहुत ही बढ़िया रहा । कार्यक्रम के प्रस्तोता हमेशा की तरह सभा के मंत्री श्री धनराज शम्भु थे । समावर्तन समारोह उत्सव 2014 की सफलता पर सभा के प्रधान की ओर से सभा के सदस्यों तथा हिंदी भवन विद्यालय के शिक्षकों के सहयोग के लिए विशेष आभार है । ■

"नागरी लिपि से बढ़कर वैज्ञानिक लिपि मैंने दुनिया में पाया नहीं ।" - आचार्य विनोबा भावे

सम्मेलन की परीक्षाएँ – वर्ष 2014

मंत्री श्री धनराज शम्भु

साल 2014 की परिचय से उत्तमा तक की सम्मेलन की परीक्षाएँ 15 से 19 दिसंबर तक हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा संचालित क्रमशः इन केंद्रों में सुचारू रूप से सम्पन्न हुईं। मॉरीशस कालेज–क्यूर्पिप, मोडर्न कालेज–फ्लाक, यूनिवर्सल कालेज–रिव्येर जी राँपार, इंटरनाशनल कालेज–त्रिओले, मनराखन कालेज–लोंग माउंटेन तथा हिंदी भवन–लोंग माउंटेन।

परीक्षा के दौरान सभा के प्रधान श्री यंतुदेव बुधु तथा कोषाध्यक्ष श्री टहल रामदीन ने सभी परीक्षा–केंद्रों का दौरा किया। रिपोर्ट के अनुसार सभी कालेजों में परीक्षाएँ सुचारू रूप से चलीं। परीक्षार्थियों के उत्तरपत्र शंसोधन के लिए हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलाहबाद–भारत प्रेषित कर दिए गए हैं। वर्ष 2015 के मार्च महीने के अंत तक हमें परीक्षा–फल की प्रतीक्षा रहेगी तथा सभा द्वारा आयोजित हिंदी दिवस के अवसर पर अगस्त महीने में छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएँगे।

परीक्षाओं के आयोजन में जिन लोगों का औपचारिक या अनौपचारिक रूप से सहयोग मिला, उनके प्रति हम सभा की ओर से आभार प्रकट करते हैंम, जिनमें सभी कालेजों के मानेजर, केंद्राध्यक्ष, निरीक्षक, चपरासी तथा अभिभावक और विशेष रूप से छात्र हैं। सभा की ओर से हम छात्रों के भविष्य के लिए शुभकामना प्रकट करते हैं। ■

विवरण – धनराज शम्भु
(मंत्री)

हिंदी प्रचारिणी सभा–लोंग माउंटेन में उपलब्ध प्राथमिक एवं माध्यमिक पाठ्य पुस्तकें।

हिंदी प्रचारिणी सभा–भवन में ये पुस्तकें उपलब्ध हैं। सुगम हिंदी (I- VI); प्रवेशिका के लिए – 1. काव्य प्रवेश, 2.सुग–म हिंदी व्याकरण, 3.मॉरीशस की सुगम हिंदी कहानियाँ, 4. सुगम संस्कृत। परिचय के लिए –मॉरीशस में खड़ी बोली की व्यवस्था और प्रसार। आप इन पुस्तकों की नकद खरीदारी यहाँ से सप्ताह के दिनों में कर सकते हैं। ये पुस्तकें हिंदी प्रचारिणी सभा के ही प्रकाशन हैं। ज़्यादा जानकारी के लिए इस नंबर पर संपर्क करें। (2452112) ■

समावर्तन समारोह 2014 के अवसर पर लिए गए कुछ चित्र।